www.sgbauonline.com



# M.A. (Part—I) (Old) Examination
## HINDI
## Paper—III
## (Kavyashastra Ewam Sahityalochan)

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

सूचना :— सभी प्रश्न निर्देशानुसार हल कीजिए।

1. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर लिखिए :— 15

   (क) अलंकार सम्प्रदाय का परिचय देते हुए उसकी महत्ता विशद कीजिए।

   (ख) ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ प्रस्तुत कीजिए।

   (ग) रीति सिद्धान्त की प्रमुख मान्यताओं की विवेचना कीजिए।

2. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर लिखिए :— 15

   (क) प्लेटो के काव्यविषयक मान्यता को स्पष्ट कीजिए।

   (ख) लौंजाइनस के औदात्य सिद्धान्त का परिचय दीजिए।

   (ग) टी.एस. इलियट के निर्वैयक्तिकता सिद्धान्त का विवेचन कीजिए।

3. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर लिखिए :— 15

   (क) स्वच्छन्दतावाद की प्रमुख मान्यताएँ स्पष्ट कीजिए।

   (ख) अस्तित्ववाद की आधारभूत अवधारणाओं को समझाइए।

   (ग) उत्तर आधुनिकतावाद की स्थापनाओं का मूल्यांकन कीजिए।

4. निम्नलिखित पद्यांश अथवा गद्यांश की स्वविवेक से समीक्षा कीजिए :— 15

   हिमाद्रि तुंग शृंग से,
   प्रबुद्ध शुद्ध भारती
   स्वयंप्रभा समुज्ज्वला
   स्वतंत्रता पुकारती

   अमर्त्य वीर पुत्र हो, दृढ़-प्रतिज्ञ सोच लो,
   प्रशस्त पुण्य पंथ है, बढ़े चलो, बढ़े चलो।

**अथवा**



www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

संघर्षों से मनुष्य ने नई शक्ति पायी है। हमारे समाज का आज जो रूप है, व न जाने कितने ग्रहण और त्याग का रूप है। देश और जाति की विशुद्ध संस्कृति केवल बाद की बात है। सब कुछ में मिलावट है, सब कुछ अविशुद्ध है। शुद्ध है केवल मनुष्य की दुर्दम जिजीविषा, वह गंगा की अबाधित-अनाहत धारा के समान सब कुछ हज़म करने के बाद भी पवित्र है। सभ्यता और संस्कृति का मोह क्षणभर बाधा उपस्थित करता है, धर्माचार का संस्कार थोड़ी देर तक इस धारा से टक्कर लेता है, पर इस दुर्दम धारा में सब कुछ बह जाते हैं।

5. निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर **15—20** पंक्तियों में लिखिए :— 4×5=20

(1) काव्य के प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

(2) रस का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(3) गुणीभूत व्यंग्य क्या है ?

(4) औचित्य सम्प्रदाय का परिचय दीजिए।

(5) वक्रोक्ति का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(6) मनोविश्लेषणवाद पर टिप्पणी लिखिए।

(7) 'संवेदनशीलता का असाहचर्य' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(8) संरचनावाद पर टिप्पणी लिखिए।

(9) व्यक्तिवादी आलोचना को समझाइये।

(10) ऐतिहासिक आलोचना के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

6. निम्नलिखित अतिलघूत्तरी/वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दिए गये निर्देशानुसार दीजिए :— 20

(1) 'वाक्यम् रसात्मकम् काव्यम्' — यह काव्यलक्षण किस आचार्य द्वारा प्रतिपादित किया गया है ?

(2) 'ध्वन्यालोक' के रचयिता हैं :

(i) वामन (ii) आनंदवर्धन (iii) दण्डी

(3) 'अनुमितिवाद' का संबंध किस विद्वान से है ?

(4) रौद्ररस का स्थायी भाव क्या है ?

(i) उत्साह (ii) क्रोध (iii) शोक

(5) आचार्य वामन के अनुसार रीति के कितने प्रकार हैं ?

(6) 'काव्यभाषा सिद्धान्त' के प्रवर्तक कौन हैं ?

(i) प्लेटो (ii) अरस्तू (iii) वर्ड्सवर्थ



www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(7) मार्क्सवादी सिद्धान्त के प्रवर्तक कौन हैं ?

(8) अरस्तू के अनुसार त्रासदी के कितने तत्व हैं ?

(i) सात (ii) छः (iii) आठ

(9) विशिष्ट पद रचना रीति : यह उक्ति किसकी है ?

(10) ध्वनिवादियों ने किसे काव्य का अनिवार्य तत्व माना है ?

(i) अभिधेयार्थ (ii) लक्ष्यार्थ (iii) व्यंग्यार्थ

(11) 'कला प्रकृति की अनुकृति है' — यह कथन किसका है ?

(12) आचार्य क्षेमेन्द्र को किस सम्प्रदाय के प्रवर्तन का श्रेय जाता है ?

(i) रस (ii) औचित्य (iii) ध्वनि

(13) परम्परा का सिद्धान्त _____ ने प्रस्तुत किया।

(14) दंडी के प्रमुख ग्रन्थ का नामोल्लेख कीजिए।

(15) आधुनिक समीक्षा की दो विशिष्ट प्रवृत्तियों के नाम लिखिए।

(16) विभाव, अनुभाव और संचारी भावों के संयोग से रस की निष्पत्ति होती है। (कथन सत्य/असत्य)

(17) प्रतिभा काव्य का क्या है ?

(i) हेतु (ii) तत्व (iii) प्रयोजन

(18) अरस्तू के गुरु का नाम क्या है ?

(19) आचार्य कुन्तक ने वक्रोक्ति के कितने भेद किए हैं ?

(i) तीन (ii) चार (iii) छः

(20) 'काव्यप्रकाश' के रचनाकार हैं.....।

(i) वामन (ii) मम्मट (iii) विश्वनाथ



www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com